एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 07 (जुलाई, 2026)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

सूखे फूलों का कारोबार: फूलों की खेती से कमाई बढ़ाने का व्यावहारिक तरीका

*विकास यादव, रूपाली शर्मा एवं संदीप भारद्वाज
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: vikasydv100@gmail.com

फूलों की खेती में सबसे बड़ी चुनौती ताजे फूलों की जल्द खराब होने की प्रकृति है। खेत से तोड़े गए ताजे फूल कुछ ही दिनों में मुरझा जाते हैं। यदि मंडी दूर हो या परिवहन में देरी हो जाए, तो फूलों के दाम गिर जाते हैं या उन्हें फेंकना पड़ता है। फूलों को सुखाकर बेचना इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान है। सही तरीके से सुखाए गए फूलों का प्राकृतिक आकार, रंग और बनावट लंबे समय तक बने रहते हैं। ये सूखे फूल महीनों और वर्षों तक खराब नहीं होते। आजकल घरों, दफ्तरों, होटलों और सजावट के कामों में प्राकृतिक सूखे फूलों की मांग बढ़ रही है।

बाज़ार की स्थिति और व्यापार के आंकड़े

दुनियाभर में फूलों के कुल कारोबार का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा सूखे फूलों का है। ब्रिटेन इसका बड़ा खरीदार है। ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, चीन और थाईलैंड इसके प्रमुख निर्यातक देश हैं।

भारत में भी यह काम तेजी से बढ़ रहा है। कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के अनुसार वर्ष 2022-23 में भारत ने 21 हजार मीट्रिक टन से अधिक फूलों के उत्पाद विदेशों में भेजे, जिनकी कीमत 707 करोड़ रुपये से अधिक थी। भारत से ये उत्पाद मुख्य रूप से अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, जर्मनी और मलेशिया जाते हैं।

भारत में अलग-अलग मौसम, विभिन्न प्रकार के फूल और कम उत्पादन लागत की सुविधा उपलब्ध है। तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल इस क्षेत्र में प्रमुख हैं। हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसान भी अब इसे अपना रहे हैं।

इस काम में शुरुआत में भारी-भरकम मशीनों की जरूरत नहीं पड़ती। मंडी में कम दाम पर बिकने वाले छोटे आकार के फूलों या छोटे डंठल वाले फूलों को फेंकने के बजाय सुखाकर बेचा जा सकता है। छोटे किसान, महिला स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण युवा कम पूंजी में भी इसे शुरू कर सकते हैं।

सूखे फूलों के सीधे लाभ

1. **लंबी टिकाऊ अवधि:** ताजे फूल दो-तीन दिन में सड़ने लगते हैं, लेकिन सुखाए गए फूल कई महीनों तक सुरक्षित रहते हैं। इससे तुरंत बेचने का दबाव खत्म हो जाता है।
2. **सालभर उपलब्धता:** मौसम खत्म होने के बाद भी सूखे फूल बाजार में उपलब्ध रहते हैं। इसलिए सजावट और उपहार देने के लिए इनकी मांग सालभर बनी रहती है।
3. **सरल रखरखाव:** इनमें पानी देने या कोल्ड स्टोरेज में रखने की जरूरत नहीं पड़ती।
4. **सस्ती ढुलाई:** सूखने के बाद फूलों का वजन बहुत कम हो जाता है। इससे दूर की मंडियों में भेजने का भाड़ा कम लगता है और पैकिंग आसान हो जाती है।
5. **पर्यावरण के अनुकूल:** प्लास्टिक के नकली फूलों की तुलना में ये पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं।
6. **नुकसान में कमी:** खराब मौसम या मंडी में मंदी के समय ताजे फूलों को सुखाकर नुकसान से बचा जा सकता है।

पौधे और फूलों का चुनाव

इस काम में केवल फूल ही नहीं, बल्कि पौधे के कई अन्य भाग भी उपयोग में आते हैं:

- तना, शाखाएं और सूखी पत्तियां
- कलियां, फूल और पुष्पक्रम
- बीज, फल, फलियों के छिलके और शंकु (Cones)
- बांस और सजावटी घास

- फर्न और कांटेदार टहनियां

सुखाने के लिए उपयुक्त प्रमुख फूल

- **आसानी से सूखने वाले फूल:** हेलीक्राइसियम, लिमोनियम, जिप्सोफिला, हेलिप्टेरम, निजेला, गुलाब, डेल्फिनियम, अमारैंथस, कार्थेमस और पापेवर।
- **सामान्य खेती वाले फूल:** गेंदा, जीनिया, गॉम्फ्रेना, कार्नेशन, डहेलिया, गुलदाउदी (क्राइसेंथेमम), कॉर्न फ्लावर, लैवेंडर, हाइड्रेंजिया और प्रोटिया।

चित्र 1: हेलीक्राइसम(स्रोत: स्रोत: गूगल/इंटरनेट)

चित्र 2: लिमोनियम (स्रोत: गूगल/इंटरनेट)

चित्र 3: इक्ज़ोरा (स्रोत: गूगल/इंटरनेट)

चित्र 4: मुसेंडा (स्रोत: गूगल/इंटरनेट)

ध्यान रखने योग्य बात: हमेशा कीड़े और बीमारी से मुक्त, स्वस्थ फूलों का ही चुनाव करें। कटे-फटे या आधे सड़े फूल सुखाने के बाद अच्छे नहीं लगते और उनका सही दाम नहीं मिलता।

कटाई और शुरुआती तैयारी

1. **कटाई का समय:** जब फूल आधा से लेकर पूरा खिला हो, तब उसकी कटाई करें। बहुत पुराना फूल सुखाने पर पंखुड़ियां छोड़ने लगता है।
2. **दिन का समय:** सुबह ओस सूख जाने के बाद और दोपहर की तेज धूप से पहले फूलों की कटाई करें।
3. **नमी हटाना:** यदि बारिश या ओस के कारण फूल गीले हों, तो सुखाने से पहले उन्हें सूती कपड़े या सोखता कागज से धीरे-धीरे पोंछ लें।
4. **छंटाई:** एक जैसे आकार और रंग के फूलों को अलग रखें। खराब पत्तियों और फालतू टहनियों को काट दें।
5. **सहारा देना:** कुछ फूलों के डंठल सूखने के बाद कमजोर हो जाते हैं। ऐसे फूलों में कटाई के समय ही पतला तार (फ्लोरिस्ट वायर) या सींक लगाकर सहारा दिया जाता है।

फूल सुखाने की प्रमुख विधियां

फूलों की किस्म, पंखुड़ियों की मोटाई और अपने बजट के अनुसार सुखाने का सही तरीका चुना जाता है।

तालिका 1: सुखाने के तरीके और उनका मुख्य प्रयोग

सुखाने का तरीका	मुख्य प्रयोग
प्राकृतिक सुखाना	बिना किसी लागत के, पौधे पर ही सुखाना
हवा में सुखाना	उल्टा लटकाकर सुखाना, अधिकांश फूलों के लिए
धूप में सुखाना	रेत के साथ, छोटे और कड़े फूलों के लिए
दबाकर सुखाना	किताबों या कागज में दबाना, चपटे फ्रेम के लिए

पाउडर/जेल में दबाना	सिलिका जेल या रेत में गाड़ना, आकार सुरक्षित रखने के लिए
माइक्रोवेव से सुखाना	बहुत कम समय में जल्दी सुखाने के लिए
ओवन से सुखाना	नियंत्रित तापमान पर व्यावसायिक उत्पादन के लिए
वैक्यूम / फ्रीज ड्राइंग	आधुनिक मशीनों द्वारा सबसे बेहतरीन गुणवत्ता के लिए
ग्लिसरीन विधि	पत्तियों और हरी टहनियों को लचीला बनाए रखने के लिए

❖ पौधे पर प्राकृतिक रूप से सुखाना

यह सबसे आसान और बिना खर्च वाला तरीका है। इसमें फूलों को पौधे पर ही लगे रहने दिया जाता है और जब वे धूप व हवा से पूरी तरह सूख जाते हैं, तब उन्हें काट लिया जाता है।

- **उपयुक्त पौधे:** लिमोनियम, बांस, अमलतास (कैसिया), कचनार (बाउहिनिया) और हेलीक्राइसियम।
- **सावधानी:** बारिश या अधिक नमी वाले इलाकों में यह तरीका काम नहीं करता क्योंकि फूलों पर फफूंद लग सकती है।

❖ हवा में उल्टा लटकाकर सुखाना

गांवों और छोटे स्तर पर काम करने के लिए यह सबसे व्यावहारिक तरीका है।

- **तरीका:** फूलों के छोटे-छोटे गुच्छे (8 से 10 फूल) बनाएं। इन्हें धागे से बांधकर किसी अंधेरे, साफ और हवादार कमरे में उल्टा लटका दें। अंधेरा कमरे में इसलिए जरूरी है ताकि सूरज की रोशनी से फूलों का रंग फीका न पड़े।
- **उपयुक्त फूल:** हेलीक्राइसियम, लिमोनियम, गुलाब, लैवेंडर, जिप्सोफिला, गेंदा, हाइड्रेंजिया और अमारैंथस।
- **समय:** गॉम्फ्रेना के फूल सूखने में 7 से 9 दिन लेते हैं, जबकि गुलाब को सूखने में 5 से 10 दिन लग जाते हैं।

❖ रेत या धूप में सुखाना

तेज धूप वाले क्षेत्रों में यह तरीका काम में लाया जाता है।

- **तरीका:** एक बर्तन या ट्रे में साफ रेत भरें। फूलों को रेत में दबाकर ऊपर से थोड़ा और रेत डाल दें, फिर बर्तन को धूप में रखें।
- **समय:** छोटे जीनिया, गेंदा और पैंजी 1 से 2 दिन में सूख जाते हैं। गॉम्फ्रेना और फ्रेंच मैरीगोल्ड को 3 से 4 दिन लग सकते हैं।
- **सावधानी:** बहुत तेज धूप में ज्यादा देर रखने से रंग उड़ सकता है, इसलिए समय का ध्यान रखें।

❖ दबाकर सुखाना

इस तरीके में फूलों को किताबों, अखबारों या सोखता कागज (Blotting Paper) के बीच रखकर ऊपर से भारी वजन रख दिया जाता है। नमी को बाहर निकालने के लिए बीच में नालीदार गत्ते रखे जाते हैं।

- **उपयोग:** इससे फूल चपटे हो जाते हैं। इनका इस्तेमाल फोटो फ्रेम या ग्रीटिंग कार्ड में होता है।
- **समय:** गुलाब को दबाकर सुखाने में लगभग 120 घंटे, कार्नेशन को 132 घंटे और हेलीक्राइसियम को लगभग 72 घंटे लगते हैं। ओवन की सहायता से 35 से 39°C तापमान पर पैंजी 48 घंटे में सूख जाती है।

❖ माध्यम में दबाकर सुखाना

यदि फूल का आकार बिल्कुल ताजा फूल जैसा रखना हो और पंखुड़ियों को सिकुड़ने से बचाना हो, तो यह तरीका सबसे बेहतर है। इसमें फूल को नमी सोखने वाले पाउडर के अंदर पूरी तरह से ढक दिया जाता है।

उपयोग होने वाली सामग्री: सिलिका जेल, बोरेक्स, नदी की बारीक रेत, लकड़ी का बुरादा, परलाइट और फिटकरी।

चित्र 5: सिलिका जेल (स्रोत: गूगल/इंटरनेट)

चित्र 6: लकड़ी का बुरादा / सॉडस्ट (स्रोत: गूगल/इंटरनेट)

काम करने की प्रक्रिया

1. एक प्लास्टिक या टीन के डिब्बे के निचले हिस्से में 2 से 3 सेंटीमीटर मोटी सिलिका जेल या रेत की परत बिछाएं।
2. फूल के डंठल को छोटा करके उसे सीधा खड़ा रखें।

3. ऊपर से धीरे-धीरे पाउडर डालें ताकि पंखुड़ियों के बीच में पाउडर भर जाए और फूल का आकार न बिगड़े।
4. डिब्बे को बंद करके कमरे में रख दें। निर्धारित समय बाद सावधानी से पाउडर हटाकर फूल निकाल लें।

महत्वपूर्ण बातें

- **सिलिका जेल:** सूखा सिलिका जेल नीले रंग का होता है। जब यह नमी सोख लेता है, तो इसका रंग बदलकर गुलाबी हो जाता है। इस गुलाबी जेल को धूप में या ओवन में गर्म करके दोबारा नीला (सूखा) बनाया जा सकता है।
- **मिश्रण का प्रयोग:** रेत या सिलिका जेल में 2 से 3 भाग फिटकरी या बोरेक्स मिलाने से पाउडर फूलों पर चिपकता नहीं है।
- **सफाई व चमक:** नदी की साफ रेत में सुखाए गए फूलों की सतह सिलिका जेल की तुलना में अधिक चिकनी रहती है। बोरेक्स और रेत को 1:1 के अनुपात में मिलाकर इस्तेमाल करने से फूलों में अच्छी चमक बनी रहती है।

❖ **माइक्रोवेव से सुखाना**

यह तरीका बहुत कम समय में सुखाने के लिए जाना जाता है।

- **तरीका:** फूलों को सिलिका जेल के डिब्बे में रखकर 2 से 5 मिनट के लिए माइक्रोवेव में रखा जाता है। इसके बाद डिब्बे को तुरंत खोलने के बजाय सिलिका जेल के अंदर 4 से 6 घंटे तक ठंडा होने दिया जाता है।
- **उपयुक्त फूल:** गुलाब, जीनिया, जिप्सोफिला और लिली।
- **फायदा:** इस विधि से सुखाए गए फूलों का बाजार मूल्य पारंपरिक तरीकों के मुकाबले काफी अधिक मिल सकता है। यह तकनीक व्यावसायिक उद्यमियों के लिए अधिक उपयोगी है।

❖ **गर्म हवा वाले ओवन से सुखाना**

इस विधि में तापमान को नियंत्रित करके फूलों को सुखाया जाता है। इसके लिए 40 से 50°C का तापमान सबसे उपयुक्त माना जाता है।

- **फूलों की समय सारणी:**

✓ गुलदाउदी, जरबेरा और लिमोनियम: 48 घंटे
✓ फ्रेंच गेंदा: 72 घंटे
✓ अफ्रीकी गेंदा: 96 घंटे
✓ जलकमल (वॉटर लिली): 120 घंटे
✓ गुलाब की कलियां: 48 घंटे (बड़े गुलाबों को 72 से 96 घंटे)

❖ **वैक्यूम और फ्रीज ड्राइंग**

- **वैक्यूम ड्राइंग:** इसमें हवा का दबाव घटाकर कम तापमान पर ही नमी खींच ली जाती है।
- **फ्रीज ड्राइंग:** इसमें फूलों को पहले -10°C तापमान पर 12 घंटे तक जमाया जाता है। फिर मशीन से बर्फ को सीधे भाप बनाकर उड़ा दिया जाता है। इस विधि में गुलाब को सूखने में 15 से 17 दिन लगते हैं।
- **लागत:** ये दोनों तरीके महंगे हैं और इनका इस्तेमाल शोध संस्थानों या बड़े कारखानों में ही होता है।

❖ **ग्लिसरीन विधि**

यह तरीका मुख्य रूप से पत्तियों और हरी टहनियों के लिए अपनाया जाता है। इसमें पौधों के पानी की जगह ग्लिसरीन ले लेती है, जिससे पत्तियां सूखने के बाद भी टूटती नहीं हैं।

- **तरीका:** 1 भाग ग्लिसरीन और 2 भाग पानी (33% घोल) को मिलाकर बर्तन में रखें। टहनी के निचले हिस्से को थोड़ा कुचलकर इस घोल में खड़ा कर दें। लगभग एक महीने में पत्तियां ग्लिसरीन सोख लेती हैं और हल्की भूरी व चमकदार हो जाती हैं।
- **अनुपात:** मोटी पत्तियों के लिए 1 भाग ग्लिसरीन और 2 भाग पानी, मध्यम पत्तियों के लिए 1:2.5, और पतली पत्तियों के लिए 1:3 का अनुपात रखें।

फूलों की रंगाई (Tinting)

बाजार की मांग के अनुसार सूखे फूलों को अलग-अलग रंगों में रंगा जाता है। इसे टिन्टिंग कहते हैं।

- **तरीके:** फ्लोरल स्प्रे पेंट करके, रंग के घोल में डुबोकर (Dipping), या तने द्वारा रंग सोखने की प्रक्रिया द्वारा।
- **सावधानी:** हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले फ्लोरल रंगों का ही प्रयोग करें ताकि पंखुड़ियों की बनावट खराब न हो।

देखभाल, भंडारण और पैकिंग

सूखे फूलों को यदि नमी और धूप से न बचाया जाए, तो वे बहुत जल्दी खराब हो सकते हैं।

1. **धूप से बचाव:** इन्हें कभी भी सीधे सूरज की रोशनी में न रखें, वरना रंग उड़ जाएगा।

2. **सीलन/नमी से बचाव:** नमी सूखे फूलों को नुकसान पहुंचाती है। इन्हें हमेशा सूखे, साफ और हवादार कमरे में रखें। एयरटाइट डिब्बों का प्रयोग करें।
3. **सिलिका जेल की पुड़िया:** डिब्बे में भंडारण करते समय सिलिका जेल की छोटी-छोटी थैलियां रख दें, जिससे बची हुई नमी सोख ली जाए।
4. **धूल की सफाई:** फूलों पर जमी धूल हटाने के लिए मुलायम पेंट ब्रश या हल्की हवा का इस्तेमाल करें।
5. **सुरक्षित पैकिंग:** परिवहन के दौरान फूल आपस में टकराकर टूट न जाएं, इसके लिए बबल रैप, टिश्यू पेपर या गत्ते के बक्सों का इस्तेमाल करें।

सरकारी योजनाएं, प्रशिक्षण और बिक्री के रास्ते

- **सरकारी सहायता:** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) और राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) किसानों को इसकी ट्रेनिंग और बुनियादी ढांचा तैयार करने में मदद करते हैं।
- **समूह बनाकर काम करना:** महिला स्वयं सहायता समूह (SHG) और किसान उत्पादक संगठन (FPO) आपस में मिलकर सुखाने की छोटी इकाई लगा सकते हैं। इससे पैकेजिंग और बिक्री की लागत घट जाती है।
- **ऑनलाइन बिक्री:** अमेज़न, फ्लिपकार्ट और हस्तशिल्प वेबसाइटों पर सूखे फूलों के गुच्छे और सजावटी सामान अच्छे दामों पर बिकते हैं। सीधी बिक्री से किसानों का मुनाफा बढ़ता है।

निष्कर्ष

सूखे फूलों का काम ताजे फूलों की खेती में होने वाले नुकसान को कम करने का एक सीधा तरीका है। जो फूल मंडी तक पहुंचने से पहले खराब हो जाते थे या कम दाम पर बिकते थे, उन्हें सुखाकर बाजार में उतारा जा सकता है। कम साधन वाले किसान हवा में सुखाने या धूप में सुखाने जैसी आसान विधियों से शुरुआत कर सकते हैं। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता जाए, ओवन या सिलिका जेल जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया जा सकता है। सही जानकारी, सावधानी और बेहतर पैकिंग के बल पर किसान अपने घर-खेत से ही यह काम शुरू करके अपनी आय बढ़ा सकते हैं।